Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 26-04-2007
Participants : Malhotra Prof. Vijay Kumar,Singh Shri Prabhunath,Dasgupta Shri Gurudas,Tripathy Shri Braja Kishore,Mukherjee Shri Pranab

Title: Regarding reported anti-national statements made during a political rally held in Srinagar, Jammu & Kashmir on 22nd April, 2007.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): अध्यक्ष महोदय, तीन-चार दिन पहले एक बहुत ही गंभीर घटना हुई है। श्रीनगर में एक मीटिंग हुई थी और उसमें सैय्यद अली शाह गिलानी के पहुंचने पर एक बहुत बड़ी पब्लिक मीटिंग की गई थी। ...(व्यवधान) यह बताया गया है कि उन्होंने इजाजत नहीं ली थी, मीटिंग इल्लीगल थी और इल्लीगल मीटिंग के बावजूद वहां पुलिस का एक भी आदमी नहीं था और न ही कोई और था। वहां पाकिस्तान के झंडे लहराए गए, लश्कर-ए-तोएबा के झंडे लहराए गए, कश्मीर हिन्दुस्तान का हिस्सा नहीं है, इसके बारे में खुले तौर पर भााण दिए गए। वहां पर इतने भयंकर भााण दिए गए, इस तरह का जहर उगला गया और वहां पर साफ तौर पर कहा गया कि यहां पर सेना इत्यादि को रहना नहीं चाहिए। मुझे आश्चर्य है कि इसके बावजूद भी गिलानी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। लश्कर-ए-तोएबा के लोग नकाब पहन कर वहां गए थे लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने वहां पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए, हिन्दुस्तान के खिलाफ जहर उगला लेकिन इसके बावजूद भी किसी एक के खिलाफ केस रजिस्टर नहीं हुआ, किसी ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। यह हिन्दुस्तान है या पाकिस्तान? यहां पाकिस्तान समर्थक नारे लगेंगे और सरकार इसे देखती रहेगी? यह मामूली बात नहीं है। The Government has to respond to it. हमें बताएं कि सरकार इस बारे में क्या कर रही है। क्या यहां उनके दबाव में डिमिलिट्राईजेशन के नाम पर सेना को वहां से लगातार हटाया जा रहा है। गिलानी के साथ इतना सॉफ्ट व्यवहार किया जा रहा है और उसके बावजूद लगातार रजोरी, पुंछ और डोडा में हिंदुओं का कत्लेआम किया जा रहा है और इन सब बातों को सरकार देखती चली जा रही है। हम चाहेंगे कि सरकार बताए कि इसके बारे में उसकी क्या नीति है? माननीय प्रधानमंत्री जी को इस बारे में देश को कॉन्फिडेंस में लेना चाहिए कि पाकिस्तान के साथ क्या बात हो रही है। गिलानी ने कहा है कि सितंबर महीने में हिन्दुस्तान और पाकिस्तान का जो फैसला होगा, उसे हम नहीं मानेंगे। क्या फैसला होने जा रहा है? क्या हम कश्मीर को बार्टर कर रहे हैं? क्या कश्मीर को बेचा जा रहा है? ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, you have made you point.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Pradhan Mantri must take the country into confidence. Yesterday, he had made a statement.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, Shri Prabhunath Singh.

… (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Sir, we want a reply from them… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, I earnestly appeal to you.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है। आपको ऑपरच्युनिटी दी है लेकिन यह सही नहीं है। आप प्रभुनाथ जी को बोलने दीजिए।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, you have already made your point. You have made your demand. You have asked for a statement from the Government; let us see.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): अभी माननीय सदस्य, मल्होत्रा जी ने जो सवाल उठाया है, यह काफी संवेदनशील सवाल है। गिलानी के विाय में आज कोई नई बात सामने नहीं आ रही है। पहले भीगिलानी के बयान भारत के विरोध में और पाकिस्तान के पक्ष में आ चुके हैं। जब रैली की बात हुई तब कश्मीर में जो सरकार है, वह क्या कर रही थी? रैली के बारे में यह भी चर्चा है कि नकाबपोश के भेा में आतंकवादी थे और वे आतंकवादी भारत के खिलाफ और पाकिस्तान के पक्ष में नारे लगा रहे थे। उन नारों के अलावा जितनी आग भारत के खिलाफ उगलनी चाहिए थी, उतनी ही आग उगली गई। पाकिस्तान की तरफ से कभी-कभी बयान आ रहा है कि भारत और पाकिस्तान सीमा विवाद सुलझाने की तरफ अग्रसर है।

सीमा विवाद सुझालाने के लिए कौन सा फार्मूला शामिल किया गया है?[r7]

अध्यक्ष महोदय, दूसरी तरफ जो कश्मीर की सरकार है, वहां इतनी बड़ी घटना घटी कि आतंकवादी जुलूस निकाल रहे हैं, भारत के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, लेकिन वहां की सरकार चुप रही। इसके पीछे क्या कारण है और इस घटना के बाद केन्द्र सरकार भी मौन रही। केन्द्र सरकार का इस पर कोई पॉजिटिव बयान नहीं आ सका और अभी भी केन्द्र सरकार मौन बैठी है। अखबारों में दिया गया है कि वहां दस लोगों के विरुद्ध मुकदमा किया गया है। हम जानना चाहते हैं कि किस धारा, किस दफा के तहत मुकदमा किया गया है। इसके बारे में भी सरकार को सदन में बताना चाहिए। इस घटना के बाद देश में एक संशय की स्थिति बनी हुई है कि क्या सरकार आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर के इलाके में जान-बूझकर संरक्षण दे रही है? क्या जम्मू-कश्मीर की सरकार ही वहां आतंकवादियों को पाल-पोस कर देश में आतंक वादी घटनाएं करा रही है? इन सब बातों से एक तरह का संशय बना हुआ है। हम चाहते हैं कि इस पर सरकार का रिस्पांस आना चाहिए और ऐसे गम्भीर मामले में प्रधान मंत्री जी को स्वयं सदन में जवाब देना चाहिए। हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप सरकार को निर्देश दें कि सरकार इस मामले में सदन में जवाब दे।

MR. SPEAKER: Thank you.

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, I have no hesitation in saying that the Geelani incident is dangerously outrageous for the country. It is absolutely dangerously outrageous because on the soil of India there has been an incident which deeply hurts the national feelings and which deeply seeks to hurt the integrity and sovereignty of the country. While saying so, I must very frankly admit that the issue must not be enlarged.

While condemning the incident, I welcome the process of normalization of relationship between India and Pakistan. I welcome the move that the Government of India is taking to settle the dispute between two important neighbours in South Asia, and I believe that the Government will continue to do so despite the provocation that is being given by the extremists in India as well as in Pakistan.

The peoples of India and Pakistan want peace and friendly relations. But there are extremist elements both in Pakistan and India, who would like to tarnish, jeopardize and undermine the process of liberalization. … (*Interruptions*) They undermine the process of friendliness. Whenever I look at the Government, the word 'liberalization' comes in my mind. That is most unfortunate.

MR. SPEAKER: Let there be some liberal attitude towards the Chair!

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I appreciate the liberalized attitude of the Speaker!

At the end, I say that the Government must make a statement in the House and try to clarify the situation that is sought to be created by some parties to blow up the issue and turn it into an issue of dispute for them.

MR. SPEAKER: If any other hon. Member wishes to associate can send their names.

Now, Shri Sandeep Dikshit.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI):: Sir, I associate with this but the Government should respond to this matter.

MR. SPEAKER: All right, you associate with this. Your name should be recorded.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Without my permission, you cannot speak. Without my permission, do not record anybody's speech.

*(Interruptions) ...**

MR. SPEAKER: The young Member wants to raise a very important issue. Give him an opportunity.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : वह सब हो गया है, हमने आप लोगों को बोलने दिया है। Nothing more will be recorded on this issue.

*(Interruptions) ... **

MR. SPEAKER: You have made your point. You have made your demand. How can you demand immediate response? Immediate response is not possible. No, I cannot lay down precedent. I will appeal to you, please sit down. If the Government does not respond, it is entirely for them. No, I cannot compel them.

Now, Shri Sandeep Dikshit is raising a very important issue.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग क्या कर रहे हैं। हमने आप लोगों को बोलने का मौका दिया है, आपके लीडर को बोलने का मौका दिया है, इनको बोलने का मौका दिया, उन्हें बोलने का मौका दिया।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Not one word should be recorded.

*(Interruptions) ... **

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा साहब ने बोला है, प्रभुनाथ सिंह जी ने बोला है, गुरुदास दासगुप्त ने बोला है ।

---

* Not recorded

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You just tell me if you want the House to run or not. Please tell me.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सर, आपका सहयोग चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा साहब, आपको हमने पूरा मौका दिया। प्रभुनाथ सिंह जी, आपको भी पूरा मौका दिया।

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सर, यह बहुत ही सीरियस मामला है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Whatever you wanted to raise, I have given full opportunity. Now you insist that immediately the Government should respond. That is not possible. It is entirely for the Government.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : अभी कैसे बोलेंगे ?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Mr. Minister, do you want to say something? Very well. It is entirely for the Government. No Chair can force it.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, the hon. Members have drawn the attention of the Government. It is not a practice that instantly we respond to it. I have noted their suggestions. At the appropriate time the Government will make the statement. … (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Sir, it is an important matter. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : The hon. Leader of the House has committed that he will come to the House and make a statement. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। हो गया।

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, they cannot force at what point of time, on which date the Government will make a statement. I will make the statement. That much I can say. … (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Are you taking any action or not? … (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : Sir, it is a serious matter. … (*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Sir, this is not a debate. They wanted a statement. I have assured the House I will make a statement.

MR. SPEAKER : I think that is enough.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह सरकार की नर्म नीति है जो इस तरह से आतंकवाद को बढ़ा रही है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Only the statement of Shri Sandeep Dikshit will be recorded.

*(Interruptions) ...**

12.41 hrs.

(Prof. Vijay Kumar Malhotra and some other Hon'ble Members

then left the House)

SHRI SANDEEP DIKSHIT (EAST DELHI): Sir, thank you for giving me this opportunity.

MR. SPEAKER : It is a very important issue. A young Member is raising it. I request the House to give attention to him.

---

* Not recorded